भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

10.03.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या 1441.

परमाणु संयंत्रों के कलपुर्जों का विनिर्माण

1441. **श्री पंकज बोरा :**
श्री हरिवंश :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) **हाल ही में रोस्टम रशिया और एटॉमिक एनर्जी ऑफ इंडिया के बीच हुए एक समझौते के तहत भारत में कब तक परमाणु संयंत्रों के लिए कलपुर्जों के विनिर्माण का काम शुरु हो जायेगा;**

(ख) **क्या प्रौद्योगिकी अंतरण भी उक्त समझौते का हिस्सा है; और**

(ग) **क्या कुडनकुलम में स्थापित किए जाने वाले दूसरे रिएक्टरों में भारत में निर्मित कलपुर्जों का इस्तेमाल किया जाएगा और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) **परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) तथा रूस के एटॉमिक एनर्जी कारपोरेशन 'रोसाटोम' के बीच तारीख 24.12.2015 को, रूस द्वारा अभिकल्पित नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के लिए भारत में विनिर्माण के स्थानीयकरण के लिए एक "कार्रवाई कार्यक्रम" पर हस्ताक्षर किए गए। उपर्युक्त "कार्रवाई कार्यक्रम" के अधीन, दोनों पक्ष, भारत में स्थानीयकरण की शुरुआत के लिए रूसी प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं और भारतीय विनिर्माताओं के साथ परामर्श करके, विवरण, जिसमें प्रौद्योगिकी के अंतरण से संबद्ध मुद्दे शामिल हैं, को अंतिम रूप देने की दिशा में समयबद्ध विशिष्ट कदम उठाने के लिए सहमत हो गए।**

(ग) **कुडनकुलम स्थित नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना, भारतीय तथा रूसी पक्षों के बीच सांझे कार्य-क्षेत्र के साथ तकनीकी सहकार के आधार पर की जा रही है। निर्माण के दौरान, उपस्करों की स्थापना, और कमीशनिंग, भारतीय कार्य-क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, प्रमुख उपस्करों की आपूर्ति रूसी कार्य-क्षेत्र के अंतर्गत आती है। कुछ उपस्कर देश के भीतर से ही उपलब्ध कराए जाते हैं। भविष्य में कुडनकुलम में स्थापित किए जाने वाले यूनिटों में, स्वदेशी आपूर्ति का हिस्सा क्रमिक रूप से बढ़ाए जाने की योजना है।**

****